सरगोसी क्या है, किस देश मे यह अपराध है और इसका व्यापार कहाँ कहाँ होता है ?
सरोगोसी| नोटस तथा निबंध लिखिए **pdf in hindi**

यह अपने स्पर्म के द्वारा दूसरे महिला से बच्चे पैदा करने की एक प्रक्रिया है जिसका भारत और विश्व के बीच नया रास्ता सामने आ चुका है हाल ही में हुए एक रिसर्च से पता चला है कि बच्चों को गोद लेने की संख्या में गिरावट के कारण किराए की कोख (सरोगेसी) से जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या बढ़ी है।

क्या सरगोसी एक क्राइम है कुछ देश इसको अपराध की नजरों से देखते है |

आंकड़ों के अनुसार विश्वभर में प्रत्येक वर्ष 30 हजार से अधिक बच्चे सरोगेसी से पैदा होते हैं लेकिन कुछ धार्मिक कट्टरपंथी इसका विरोध भी करते हैं वो इसे कुदरत की व्यवस्था के खिलाफ मानते हैं तथा कुछ नारीवादी सोचती हैं, सरोगेसी से महिलाओं का शोषण होता है इसलिए पिछले साल इटली ने सरोगेसी को यूनिवर्सल क्राइम (2023-2024) में घोषित किया गया था

दिए गए एक इंटरव्यू में डरहम यूनिवर्सिटी के कानूनविद डफनी लीमा कहते हैं, इससे सरोगेसी जनसंहार और मानवता के खिलाफ अपराध के बराबर हो गई है।

इटली जैसे देश में सरगोसी की सजा **2** वर्ष है |

कानून के तहत इटली के नागरिक अगर विदेशों में भी सरोगेट बच्चों को लेते हैं तो उन्हें दो साल की सजा हो सकती है। विरोध के कारण सरोगेसी चोरी-छिपे होने लगी है। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर गोद लेने के मामलों में भारी गिरावट आई है। 2004 में विश्व भर में 45 हजार बच्चे गोद लिए गए थे। 2022 में यह संख्या केवल 3700 रही। कई अमीर देशों में कड़े कारण घरेलू स्तर पर गोद लेने के मामले बहुत कम हो गए है

भारत देश इसको किस तरह देखता है?

भारत और एशिया के देशों की तुलना करें तो यह अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ज्यादा हो रही है। अमेरिका में कुछ राज्यों में सरोगेसी के लिए महिलाओं को पैसा देने की अनुमति है। वहां लगभग एक तिहाई जन्म विदेशी पैरेंट्स के लिए थे। सरोगेसी पर प्रतिबंध लगाने वाले चीन, फ्रांस जैसे देशों के पैरेंट्स अमेरिका में किराए की कोख से बच्चे का रास्ता अपनाते हैं।

महिलाएं प्रेग्नेंट क्यों नहीं होना चाहती?

सरोगोसी का विश्व में बाजार कितना है?

डेटा फर्म इनसाइट्स ने अपमे एक रिसर्च में बताया कि वर्ष 2022 में विश्व में इसका बाजार 1.27 लाख करोड़ रुपए था और 2032 में यह 11 लाख करोड़ रुपए से अधिक होने का अनुमान है।